Roll No : .....

Total No. of Questions : **11**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AP–624

M.A. (Final) Examination, 2021

JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN AND YOGA

Paper - VII (A)

(Jain Religion Philosophy and Indian Religious Philosophy)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 7 × 5 = 35)**

Note :– Answer all *five* qustions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 7 × 5 = 35)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

Section–C **(Marks : 15 × 3 = 45)**

Note :– Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 15 × 3 = 45)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) How many Aryasatyas exist in Buddha Philosophy ?

   बौद्ध दर्शन में कितने आर्य सत्य हैं ?

   (ii) How many Pramans exist in Nyaya Philosophy ?

   न्याय दर्शन में कितने प्रमाण हैं ?

   (iii) What is the meaning of Nishkama Karma ?

   निष्काम कर्म का क्या अर्थ है ?

   (iv) Define Avidhya.

   अविद्या को परिभाषित कीजिए।

   (v) How many constituents of Inference according to Buddha ?

   बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमान के कितने अवयव हैं ?

   (vi) Why Prakriti is called Pradhan in Sankhya Philosophy ?

   सांख्य दर्शन में प्रकृति को प्रधान क्यों कहा गया है ?

   (vii) Explain the 'Anant Dharmkam Vastu' as per Jain Philosophy.

   जैन दर्शन के अनुसार 'अनन्तधर्मकाम वस्तु' की व्याख्या कीजिए।

   (viii) Write the definition of the Pramana.

   प्रमाण की परिभाषा लिखिए।

   (ix) Write the definition of Naya.

   नय की परिभाषा लिखिए।

   (x) Write the name of Dravyas mentioned in Mimansa Philosophy.

   मीमांसा दर्शन के द्रव्यों के नाम लिखिए।

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Explain the concept of Matter (Pudgala) in Sankhya and Nyaya Philosophy.
सांख्य दर्शन एवं न्याय दर्शन के अनुसार पुद्गल की अवधारणा को समझाइए।

Or

(अथवा)

Explain the types of Dhyan according to Jain Philosophy.
जैन दर्शन के अनुसार ध्यान के प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

3. While define Anumana explain the types of Anumana according to Nyaya Darshan.
अनुमान को परिभाषित करते हुए जैन दर्शन के अनुसार अनुमान के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

Or

(अथवा)

Define Karma and types of Karma according to Geeta.
गीता के अनुसार कर्म को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4. Explain the concept of non-violence in Vedanta and Mimansaka Philosophy.
वेदान्त मीमांसा दर्शन के अनुसार अहिंसा सम्बन्धी अवधारणा को समझाइए।

Or

(अथवा)

Explain nature of liberation in Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन में मुक्ति की प्रकृति को समझाइए।

5. Explain nature of soul in Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन में आत्मा के स्वरूप को समझाइए।

Or

(अथवा)

Throw light on Padarthas of Jain Philosophy.
जैन दर्शन के पदार्थों पर प्रकाश डालिए।

6. How Purusha is Akartta and Bhokta in Sankhya Philosophy ? Explain it.

सांख्य दर्शन के अनुसार 'पुरुष' अकर्त्ता और भोक्ता कैसे है ? समझाइए।

Or

(अथवा)

Explain the Anityavad as per Buddha Philosophy.

बौद्ध दर्शन के अनुसार अनित्यवाद की व्याख्या कीजिए।

Section–C

(खण्ड–स)

7. Explain the *four* Aryasatya as per Buddhism.

बौद्धमत के अनुसार **चार** आर्य सत्य की व्याख्या कीजिए।

8. Explain the 'Moksha' in Vedanta Philosophy.

वेदान्त दर्शन के अनुसार 'मोक्ष' सम्बन्धी अवधारणा को समझाइए।

9. Throw light on *sixteen* Padarthas of Nyaya Philosophy.

न्याय दर्शन के **सोलह** पदार्थों पर प्रकाश डालिए।

10. While defining Purushartha explain its types.

पुरुषार्थ को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों को समझाइए।

11. Explain Nature of Avidhya in Buddha and Vedanta Philosophy.

बौद्ध एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार अविद्या की प्रकृति को समझाइए।